संयुक्त समुद्री बल (CMF)

हाल ही में **INS सुनयना संयुक्त समुद्री बल (CMF) के वार्षिक प्रशिक्षण अभ्यास ऑपरेशन सदर्न रेडीनेस** में भाग लेने के लिये पोर्ट विक्टोरिया, सेशेल्स पहुँचा।

- यह न केवल **हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा के लिये भारतीय नौसेना की प्रतिबद्धता को मज़बूत करता है, बल्कि CMF अभ्यास में भारतीय नौसेना के जहाज़ की पहली भागीदारी को भी चिह्नित** करता है।

//

संयुक्त समुद्री बल (CMF):

- **विषय:**
  - **यह एक बहुराष्ट्रीय समुद्री साझेदारी है,** जिसका उद्देश्य उच्च समुद्रों पर अवैध और गैर-अधिकृत राष्ट्रों का विरोध करने तथा लगभग 3.2 मिलियन वर्ग मील अंतर्राष्ट्रीय जल में सुरक्षा, स्थिरता एवं समृद्धि को बढ़ावा देकर **नियम-आधारित अंतर्राष्ट्रीय आदेश (RBIO) के कार्यान्वयन** को सुनिश्चित करना है। इसमें दुनिया के कुछ सबसे महत्त्वपूर्ण नौवहन मार्ग शामिल हैं।
  - **CMF की कमांड अमेरिकी नौसेना के वाइस एडमिरल के पास है।**

- **सदस्य देश:**
    - **34 देश CMF के सदस्य हैं:** ऑस्ट्रेलिया, बहरीन, बेल्जियम, ब्राज़ील, कनाडा, डेनमार्क, मिस्र, फ्राँस, जर्मनी, ग्रीस, इराक, इटली, जापान, जॉर्डन, कोरिया गणराज्य, कुवैत, मलेशिया, नीदरलैंड, न्यूज़ीलैंड, नॉर्वे, पाकिस्तान, फिलीपींस, पुर्तगाल, कतर, सऊदी अरब, सेशेल्स, सिंगापुर, स्पेन, थाईलैंड, तुर्की, संयुक्त अरब अमीरात, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका और यमन।
        - भारत CMF का सदस्य नहीं है। **अप्रैल (2022)** में आयोजित [भारत-अमेरिका 2+2 संवाद](#) में भारत ने घोषणा की थी कि वह एक **सहयोगी भागीदार के रूप में CMF में शामिल होगा।**
- **प्रमुख कार्य क्षेत्र:**
    - CMF के मुख्य कार्य क्षेत्र हैं, **नशीले पदार्थों, तस्करी एवं समुद्री डकैती को रोकना, क्षेत्रीय सहयोग को प्रोत्साहित करना, समग्र सुरक्षा और स्थिरता** में सुधार के लिये प्रासंगिक क्षमताओं को मज़बूत करने हेतु अन्य क्षेत्रीय भागीदारों के साथ जुड़ना।
    - अनुरोध किये जाने पर समुद्र में CMF संपत्ति, पर्यावरण और मानवीय घटनाओं की रोकथाम पर भी कार्य करेगा।

[स्रोत: पी.आई.बी.](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/combined-maritime-forces